हमारी सभ्यता और संस्कृति की प्रतीक है हिन्दी ...पेज 03

इंटर कॉलेज बैडमिंटन चैम्पियनशिप में सुबोध कॉलेज ने मारी बाजी ...पेज 04

सुबोध टाइम्स

द्विमासिक पत्रिका | जयपुर, जुलाई-अगस्त 2019 | महाविद्यालय प्रसार हेतु | पृष्ठ : 4 | अंक: 02

प्रिंसिपल की कलम से

प्रो. के. बी. शर्मा

प्राचार्य, एस, एस, जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय

भारतीय संस्कृति के सूत्र वाक्य तमसो मा ज्योतिर्गमय को वास्तविक अर्थों में पूरा करने के लिए शिक्षा, शिक्षक और समाज की महत्ती भूमिका है। हालांकि भारतीय समाज प्राचीनकाल से ही बेहद समृद्ध रहा है। हमारी शिक्षा का इतिहास भारतीय सभ्यता का प्रतीक है। शिक्षक का समाज के प्रति उत्तरदायित्व हैं कि वो अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए समाज को नई दिशा दें। हाल ही में शिक्षक दिवस के मौके पर हमनें भारत के महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया। सन् 1962 में जब उन्होंने देश के राष्ट्रपति के रूप में पद ग्रहण किया तो उनके चाहने वालों ने उनके जन्मदिन को 'शिक्षक दिवस' के रूप मे मनाने की अपनी इच्छा उनके समक्ष प्रकट की। इस पर डॉ. साहब ने स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हुए अपनी अनुमति प्रदान की। तब से लेकर हम आज तक प्रत्येक 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाते आ रहे हैं। डॉ. राधाकृष्णन ने शिक्षा को एक मिशन के रुप में देखा और उनके अनुसार शिक्षक होने का अधिकारी वही व्यक्ति है, जो अन्य जनों से अधिक बुद्धिमान व विनम्र हो, उनके अनुसार शिक्षक को उत्तम अध्यापन के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति व्यवहार व स्नेह उसे एक सुयोग्य शिक्षक बनाता है। बदलते दौर में शिक्षा का स्वरूप भले ही परिवर्तित हो गया हो, लेकिन भारतीय समाज में शिक्षक का महत्व आज भी बरकरार हैं। इस अवसर पर मेरी सभी शिक्षकों से यही अपेक्षा हैं कि वे भी विद्यार्थियों की कमियों, अच्छाईयों और आदतों से सीधे तौर पर जुड़े। स्वामी विवेकानन्द का मानना था कि भारत में ऐसी शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे समाज के चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति में वृद्धि हो, बुद्धि का विस्तार हो और जिसमें व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके। वास्तविक शिक्षा वह नहीं होती जो कक्षा में शिक्षक के व्याख्यान से शुरू होती है और उसी पर समाप्त हो जाती है। वर्तमान में बदल रहे शिक्षकीय मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए एक ऐसी सुदृढ़ शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता हो, जिसमें विद्यार्थी अधिक से अधिक प्रश्न पूछें, जिनके सटीक उत्तरों के लिए शिक्षकों को भी उतना ही अधिक अध्ययन व चिंतन करना पड़े। सर्वश्रेष्ठ शिक्षक वही है जो जीवन पर्यन्त स्वयं विद्यार्थी बना रहता है और इस प्रक्रिया में वह पुस्तकों के साथ साथ अपने विद्यार्थियों से भी बहुत कुछ सीखता है।

डॉ. अल्पना सक्सेना उप-प्राचार्या और डॉ. राजेश यादव बने डीन शैक्षणिक

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय की पूर्व डीन शैक्षणिक डॉ. अल्पना सक्सेना को महाविद्यालय की उप-प्राचार्या पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष और सह-आचार्य डॉ. राजेश यादव को महाविद्यालय में डीन शैक्षणिक पद पर नियुक्त किया गया है।

सुबोध शिक्षा समिति ने हर्षोल्लास से मनाया जश्न-ए-आजादी का पर्व

जयपुर। 15 अगस्त का दिन भारतीय लोकतंत्र और हर भारतीय के लिए बेहद खास दिन होता है। आजाद भारत का यह वही दिन है, जब भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। हर साल 15 अगस्त को देश आजादी का दिवस मनाता है। हर वर्ष की भांति सुबोध शिक्षा समिति की ओर से स्वाधीनता दिवस सामारोह मनाया गया।

सांगानेर स्थित एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में आजादी का यह पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया गया। पूर्व में रामबाग सर्किल स्थित एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज परिसर में समिति के संयोजक विनय चंद डागा ने सभी शैक्षणिक व अशैक्षणिक सदस्यों को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कर झंडारोहण किया। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी सदस्यों ने समिति की ओर से आयोजित मुख्य कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सांगानेर स्थित एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में 73वें स्वाधीनता सामारोह के मुख्य अतिथि कॉलेज शिक्षा एवं विशिष्ट शासन सचिव आयुक्त प्रदीप कुमार बोरड़ ने कहा कि आजादी के 7 दशकों बाद देश ने प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित किया है। अब हम विश्व में नई महाशक्ति के तौर पर अपने आप को स्थापित कर चुके है। कार्यक्रम के दौरान समिति के अध्यक्ष श्री नवरत्न कोठारी ने कहा कि हमारा देश संभावनाओं का देश है, यहां हर व्यक्ति और समाज में देश के लिए समर्पण की भावना है। इस दौरान समिति के मानद मंत्री सुमेर सिंह बोथरा ने कहा कि देश में नित नए प्रयोग कर हम विज्ञान में अपना ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहे है, साथ ही देश में तकनीकी सुधार बढ़ा है, ऐसे में देश की कमान संभाल रहे युवाओं को पूरे दमखम के साथ देश के नवनिर्माण में सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने परेड़ कर देश की युवा शक्ति के जोश का परिचय दिया तो वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर स्टूडेंट्स ने सभी का मन मोह लिया।

समिति के सभी शैक्षणिक संस्थाओं ने लिया हिस्सा

कार्यक्रम में शिक्षा समिति के अन्तर्गत संचालित सभी संस्थाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में रामबाग सर्किल परिसर के एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, एस.एस. जैन सुबोध कॉमर्स एंड आर्ट्स कॉलेज, एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महिला महाविद्यालय, सुबोध पब्लिक स्कूल वहीं एयरपोर्ट परिसर के एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज एवं सुबोध पब्लिक स्कूल, मानसरोवर परिसर के एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज, मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, सीतापुरा परिसर के सुबोध कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलैंस के अलावा सांगानेरी गेट परिसर स्थित एस.एस. जैन सुबोध स्कूल और एस.एस. जैन सुबोध बालिका स्कूल के सभी शैक्षणिक व अशैक्षणिक सदस्यों के साथ छात्रों ने भी हिस्सा लिया।

ये गणमान्य हुए उपस्थित

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कॉलेज शिक्षा एवं विशिष्ट शासन सचिव आयुक्त प्रदीप कुमार बोरड़, शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री नवरत्न कोठारी, उपाध्यक्ष आर.सी. जैन, मानद मंत्री सुमेर सिंह बोथरा, संयुक्त मंत्री विनोद लोढ़ा, सुबोध महाविद्यालय प्रबंध समिति के संयोजक विनय चंद डागा, प्रमोद डरड़ा, डॉ. राकेश हीरावत, अनिल कुमार गौखरू, संजीव कोठारी, राजेन्द्र राजा, एच. सी. बोथरा, मधु मोदी, महेन्द्र पारख आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गूगल की ओर से फेक न्यूज पर कार्यशाला का आयोजन

जयपुर। भ्रामक व झूठी खबरों को रोकने के लिए विश्व स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। गूगल इनिशिएटिव के जरिए देशभर में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। हाल ही में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से एक दिवसीय गूगल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गूगल की अपर्णा प्रवीण कुमार ने छात्रों को फेक न्यूज और उसके प्रभावों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। अपर्णा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चलने वाली झूठी खबरों को जांचने और उसे पहचानने के लिए कुछ महत्वपूर्ण टूल्स बताए। कार्यशाला में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. अल्पना सक्सेना ने फेक न्यूज के दुष्परिणामों के बारे में बताया। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. पदमा पंडेल ने गूगल के प्रयासों को कारगर कदम बताया। कार्यशाला में फोटो कंटेंट और विडियों की शुद्धता को जांचने और परखने की जानकारी दी गई।

सुबोध महाविद्यालय को मिला राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्रीय पुरस्कार

जयपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 24 सितम्बर 2019 को राष्ट्रपति भवन में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.के.बी. शर्मा और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कपिल कुमार आनन्द को 2017-18 का राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया है। यूनिट स्तर पर प्रदेश को पहली बार मिले इस पुरस्कार के बारे में प्राचार्य प्रो. के. बी. शर्मा ने बताया कि हर साल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से 10 कार्यक्रम अधिकारियों को चयनित कर यह पुरस्कार दिया जाता है। इस साल राजस्थान प्रदेश को यह गौरव प्राप्त हुआ है। उक्त सभी 10 अधिकारियों में से सुबोध महाविद्यालय को देशभर में तीसरा स्थान मिला है। गौरतलब है कि 24 सितम्बर 1969 को महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना 'एनएसएस' की शुरूआत की गई थी। एनएसएस का मुख्य उद्देश्य समाज उपयोगी कार्यों के माध्यम से युवा छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास करना है। पुरस्कार के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा को यूनिट ट्रॉफी के साथ 1 लाख रूपये और डा. कपिल कुमार आनन्द को प्रशस्ति-पत्र व मेडल प्रदान किया गया।

लड़कियों को आजादी मिले तभी हो सकेगी हौंसलों की उड़ान पूरी

बचपन से हम सुनते आ रहे हैं कि पंखों से नहीं हौंसलों से उडान होती हैं। अपने इन्हीं हौंसलों से उड़ान भरते हुए एक सपने को सच कर दिखाया है, राजस्थान की पहली कॉमर्शियल महिला पायलट पारूल शेखावत ने। पेशे से चिकित्सक पिता ने बेटी को मनचाही स्वतंत्रता दी। अपनी स्वतंत्रता को पारूल ने भी मेहनत और लगन के दम पर सही साबित किया। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की पारूल ने देशभर में अपना लोहा मनवाया है। जयपुर एयरपोर्ट पर मार्च 2017 तक रनवे विस्तार से पहले कॉमर्शियल विमानों की लैंडिंग संभव ही नहीं थी। रनवे का विस्तार होने के बाद अभी तक कोई शेड्यूल्ड फ्लाइट बोइंग 777 विमान के रूप में जयपुर नहीं उतरी थी। लेकिन इस असंभव शब्द को पारूल ने संभव कर दिखाया। पारूल के पति भी एयर इंडिया में सीनियर पायलट है। बोइंग 777 में पारूल बतौर कैप्टन तैनात थी।

अकेले राजस्थान में कई ऐसे जीवंत उदाहरण है जो बेटियों के हौंसलों और उनकी हिम्मत की जीती जागती तस्वीर बयां करते है। पारूल से पहले भी भीलवाड़ा जिले के काला पीपल गांव की भाग्यलक्ष्मी ने प्राइवेट एयरलाइंस में पायलट बन अपना सपना सच किया था। किसान की बेटी भाग्यलक्ष्मी ने एक बार सात साल की उम्र में ही अपने पिता को पायलट बनने के सपने के बारे में बताया था, जिसे पिता ने बखूबी निभाया। साथ ही बेटी को पायलट बनाकर ही दम लिया।

हमारे आस-पास भी कई ऐसे उदाहरण है जिन्हें अपनी उड़ान भरने के लिए हमारे हौंसले और हिम्मत की जरूरत होती है। आज देशभर में महिला सशक्तीकरण के नाम पर युद्ध स्तर पर प्रयास किये जा रहे है। लेकिन लड़कियों को हर क्षेत्र में आगे लाने के लिए जरूरी है कि हम उन्हें अवसर दे आगे बढ़ने के लिए। साथ ही समाज में दोहरे मापदंडों को भी बदलना होगा, ताकि हमारे घर की रोशनी भी अपने सपने को खुलकर जिएं।

भवानी सिंह, *एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय*

साइकिल और बैलगाड़ी से शुरू हुई यात्रा पर विश्व गौरवान्वित

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की शुरुआत सीमित संसाधनों से हुई थी लेकिन आज इसरो दुनिया की एक बड़ी ताकत बन गया है। भारत ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत बेहद सीमित संसाधनों के जरिए की। दुनिया के अन्य देशों की तरह इसरो के वैज्ञानिकों के पास सुविधाएं नहीं थीं। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बैलगाड़ी और साइकिल से शुरू होने वाले भारत का अंतरिक्ष के कार्यक्रम एक दिन मंगलयान और चंद्रयान तक पहुंच जाएंगे। इसरो की स्थापना वैज्ञानिक विक्रम साराभाई ने 1969 में की। इससे पहले भारत अंतरिक्ष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त संसाधन एवं सुविधाएं नहीं थीं। पहले रॉकेट को साइकिल पर लादकर प्रक्षेपण स्थल तक लाया गया था। जबकि एक रॉकेट को बैलगाड़ी से लॉन्चिंग पैड तक पहुंचाया गया था। भारत ने 2008 में अपने चंद्रयान-1 को चंद्रमा पर भेजा था लेकिन यह चंद्रमा की सतह पर नहीं उतर सका, इसी साल दोबारा चंद्रयान-2 का सफल प्रक्षेपण किया गया। हालांकि देश के सबसे महत्वाकांक्षी मिशन चंद्रयान-2 लांचिंग के बाद 48 दिन में 3.84 लाख किमी का सफर तय कर चांद के एकदम करीब पहुंच गया था। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर (विक्रम) के उतरने की सारी प्रक्रिया सामान्य थी। चांद की सतह पर उतरने की प्रक्रिया के आखिरी 15 मिनट बेहद चुनौतीपूर्ण थे। सतह से पांच किमी ऊपर उतरने की तैयारी कर रहे विक्रम की गति 331.2 किमी प्रति घंटे थी। इसे काबू करते हुए विक्रम को चांद की सतह से 2.1 किमी ऊंचाई तक लाया गया। यहां से इसकी गति शून्य कर दी गई, ताकि आहिस्ता-आहिस्ता इसे उतारा जा सके। बरसों की मेहनत, लगन और समर्पण के बाद भी इसरों समेत पूरे देश को बड़ा आघात लगा। हालांकि चांद के फलक पर हमारे कदमों के निशां और लहराता तिरंगा देखने का 130 करोड़ हिंदुस्तानियों का सपना चांद की दहलीज तक पहुंच सका। 1963 में भारत ने अपना पहला रॉकेट अंतरिक्ष में भेजा था। चंद्रयान-2 जैसे बड़े अभियान को लेकर देश को उम्मीदें थी, लेकिन आगामी वर्षों में न सिर्फ हम दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करेंगे बल्कि दुनिया को अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम जानकारियों से भी रूबरू करवाएंगे। सिर्फ संपर्क टूटने से सपने नही टूटा करते है।

- अशोक शर्मा, *प्रशासनिक अधिकारी, एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय*

मुख्यमंत्री ने किया 'ऑपरेशन रोहिड़ा' अभियान के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। नागौर सहित पश्चिमी राजस्थान के 13 मरूस्थलीय जिलों के मरूप्रदेश को रोहिड़ा प्रदेश बनाने का अभियान अब बड़ा रूप लेने लग गया है। हाल ही में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. खानू खान बुधवाली ने ऑपरेशन रोहिड़ा अभियान का पोस्टर विमोचन कर ऑपरेशन रोहिड़ा के संयोजक डॉ. प्रेमसिंह बुगासरा एवं उनके कार्यक्रम सहयोगी एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज के डीन शैक्षणिक डॉ. राजेश यादव के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर डॉ. बुगासरा और डॉ. राजेश यादव ने मुख्यमंत्री और कांग्रेस उपाध्यक्ष को रोहिड़ा का पौधा भेंट कर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान डॉ. राजेश यादव ने सीएम गहलोत से आग्रह करते हुए कहा कि अगर अभियान का सरकार के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए तो पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल जाएगी। डॉ. प्रेम सिंह बुगासरा के कार्यक्रम के साथ जुड़े डॉ. राजेश यादव ने बताया की कार्यक्रम के तहत शिक्षा राज्य मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा और उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी के घर पर भी रोहिड़ा पुष्प लगाया गया।

थाईलैण्ड में आयोजित इंटरनेशनल सेमीनार में महाविद्यालय के डॉ. भरत पारीक और डॉ. सुरेन्द्र कोठारी ने की अध्यक्षता

जयपुर। ग्लोबल रिसर्च कॉन्फ्रेंस फोरम, पुणे और हिमालयन यूनिवर्सिटी, अरूणाचल प्रदेश के तत्वावधान में "First GRCF International Conference on Management, Business, Economics & Sustainability 2019' विषय पर थाईलैण्ड में इंटरनेशनल सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र प्रताप कोठारी और डॉ. भरत पारीक ने भाग लिया। डॉ. कोठारी ने संगोष्ठी के प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कर Social Media : A Tool of Creation नामक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। इसके साथ ही डॉ. पारीक ने Role of NGO in Social Upliftment विषय पर शोध पत्र का वाचन किया, साथ ही संगोष्ठी के छठें तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

भारत स्काउट एंड गाइड के बैनर तले रेंजर्स ने ली ट्रैनिंग

जयपुर। हाल ही में 19 से 23 अगस्त तक जगतपुरा में सम्पन्न हुए नेशनल लेवल रोवर-रेंजर मीट-2019 में एस.एस.जैन सुबोध महाविद्यालय के रेंजर्स की दूसरी यूनिट ने हिस्सा लिया। भारत स्काउट एंड गाइड के बैनर तले प्रशिक्षण लेने के बाद यूनिट के सभी रेंजर्स ने शिविर के दौरान कई गतिविधियों में भाग लिया। महाविद्यालय की डॉ. ऋचा सिंघल ने बताया कि अलग-अलग विषयों के रेंजर्स ने कई गतिविधियों में अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया है। आगे भी सामाजिक कार्यकलापों के लिए रेंजर्स अपनी महत्ती भूमिका का निर्वहन करेंगे।

महाविद्यालय की रेंजर्स ने किया कॉलेज का प्रतिनिधित्व, जीते पुरस्कार

जयपुर। हाल ही में सम्पन्न हुए नेशनल लेवल रोवर-रेंजर मीट-2019 में महाविद्यालय की दो छात्राओं ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते। कॉलेज की डॉ. ऋचा सिंघल के नेतृत्व में महाविद्यालय की दो रेंजर्स प्रीति शर्मा और अश्विनी जांगिड का राष्ट्रीय स्तर के रोवर-रेंजर के लिए चयन हुआ है। डॉ. रिचा सिंघल ने बताया कि 19 से 23 अगस्त तक जगतपुरा में हुए नेशनल लेवल रोवर-रेंजर मीट-2019 में दोनों रेंजर्स ने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया। गौरतलब है कि इस नेशनल मीट में कई राज्यों के स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट किया था। इस दौरान अश्विनी जांगिड़ को चरी नृत्य में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए प्रथम पुरस्कार और प्रीति शर्मा को स्लोगन राइटिंग व पोस्टर मेकिंग के लिए सैकंड प्राइज दिया गया।

जीवन के आधार है पेड़-पौधे : रफीक खान

जयपुर। एस.एस.जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय की ओर से 10 सितंबर 2019 को एक दिवसीय पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के एनएसएस और रोवर रेंजर यूनिट की ओर से आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों के तहत 200 से अधिक पौधे लगाये गए। इस दौरान एनएसएस टीम की ओर से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने महाविद्यालय प्रागंण में अशोक का पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने सांसद को स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि इस एकदिवसीय कार्यक्रम के दूसरे चरण में आदर्श नगर विधायक रफीक खान ने रोवर रेंजर टीम के साथ मिलकर पौधारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत किया। महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण करने के बाद दोनों टीमों के 150 छात्रों के दल को सांगानेर गौशाला व जगतपुरा स्थित भारत स्काउट व गाइड मण्डल प्रशिक्षण केंद्र में पौधारोपण करने के लिए रवाना किया गया। इस एकदिवसीय पौधारोपण कार्यक्रम में दोनों दलों के 150 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर 200 से अधिक पौधे लगाये।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान की ओर से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

रक्षासूत्र सिर्फ धागा नहीं जीवनसूत्र है

जयपुर। रक्षासूत्र का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। यह न सिर्फ सुरक्षा कवच है बल्कि आपके सुख-दुख में मदद करने वाला है। ये कहना है प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्थान की पदमा दीदी का। हाल ही में 17 अगस्त को एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस दौरान संस्थान की पदमा और जयंती दीदी ने कॉलेज के शैक्षणिक सदस्यों और स्टूडेंट्स को रक्षासूत्र बांधे। रक्षाबंधन के महत्व को लेकर दोनों ने ही अपने दृष्टिकोण रखें। रक्षासूत्र बांधने से लेकर उसके आध्यात्मिक और सामाजिक परिपेक्ष्य के बारे में बताया। महाविद्यालय की उप. प्राचार्या डॉ. अल्पना सक्सेना ने सभी को संबोधित करते हुए रक्षाबंधन के इस पूनीत कार्य के लिए दोनों बहनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय के डीन एकेडमिक डॉ. राजेश यादव ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व की इस परम्परा को इस तरीके से आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना तारीफ के काबिल है। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की संकाय सदस्य डॉ. शैफाली जैन ने किया।

सूक्ष्म अध्ययन के लिए वैज्ञानिक दृटिकोण की जरुरतः प्रो. पी.एस. वर्मा

जयपुर। तत्वों की आवर्त सारणी रसायन विज्ञान का अहम हिस्सा है। इस सारणी में हाइड्रोजन, हीलियम, बोरोन जैसे तत्व शामिल है, जिन्हें उनकी परमाणु संख्या और विशेषताओं के आधार पर क्रमबद्ध किया गया है। रासायनिक तत्वों की आवर्त सारणी के 150 वर्ष पूर्ण होने पर रामबाग सर्किल स्थित एस.एस.जैन सुबोध महाविद्यालय में गत दिनों इंटरनेशनल ईयर ऑफ पीरियोडिक टेबल (आईवाईपीटी)-2019 मनाया गया। इस दौरान रसायन शास्त्र विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम आईवाईपीटी-2019 में विभिन्न महाविद्यालयों के 425 छात्रों ने पंजीकरण करवाया। कॉलेज के छात्रों ने साइंटिफिक रंगोली, क्विज कॉम्पीटिशन और पोस्टर मेकिंग में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि राजस्थान विवि के फैकल्टी ऑफ साइंस के पूर्व डीन प्रो. पी.एस. वर्मा ने बताया कि पीरियोडिक टेबल कई मायनों में हमारे लिए मददगार है।

आस-पास होने वाले परिवर्तनों के लिए सूक्ष्म अध्ययन की जरूरतः पीरियोडिक टेबल से हम कई सूचनाएं प्राप्त कर सकते है। न्यूटन, थॉमस अल्वा एडिसन और जेम्स वॉट का उदाहरण देते हुए वर्मा ने कहा कि हमारे आसपास होने वाले परिवर्तनों के सूक्ष्म अध्ययन के लिए हमें साइंटिफिक एप्रोच की जरुरत है। उन्होंने छात्रों को विज्ञान के साथ नित नए प्रयोग करने और उनसे सीखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान दिल्ली विवि के रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. राकेश कुमार ने बताया कि मेंडेलीव की पीरियोडिक टेबल वर्तमान संदर्भ में भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मेंडेलीव के बारे में बताते हुए प्रो. कुमार ने कहा कि मेंडेलीव ने अपनी खोज के दौरान ही पूर्व में ही आगामी तत्वों की जानकारी दे दी थी, जिन्हें बाद में नए तत्वों के रूप में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने आगन्तुक अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।

प्रो. शर्मा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि सुबोध महाविद्यालय शिक्षा जगत में होने वाले नवाचारों के लिए सदैव तत्पर रहता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता जेएनयू दिल्ली में रसायन विभाग के प्रो. प्रीतम मुखोपाध्याय ने पीरियोडिक टेबल (आवर्त सारणी) की विकास यात्रा को पीपीटी के माध्यम से समझाया। उन्होंने आवर्त सारणी के अति सूक्ष्म तत्वों के बारे में जानकारी दी।

साहित्य से ही देश में क्रांतिकारी परिवर्तन संभवः विष्णु लाटा

जयपुर। गुरू का स्थान दीपक के समान है। किसी भी देश की संस्कृति, समाज और साहित्य में गुरू का स्थान अप्रतिम है। साहित्यिक दृष्टिकोण से ही समाज को नई दिशा मिलती है। ये कहा, जयपुर महापौर विष्णु लाटा ने। हाल ही में 6-7 सितम्बर को एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में "Transforming Society through Literature and Social Movements" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विष्णु लाटा ने आगन्तुक अतिथियों और प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रेष्ठ साहित्य के माध्यम से ही समाज का कल्याण संभव है। उन्होंने कहा कि साहित्य में ही सभी वर्गों का हित समाहित है। इसके लिए जरूरी है, कि हम साहित्यिक ज्ञान को निरंतर आगे बढ़ाते रहें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस ज्ञान का लाभ उठा सकें। संगोष्ठी के प्रारंभ में महाविद्यालय के संयोजक वी.सी. डागा और महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने आगंतुकों का स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने कहा कि समसामयिक साहित्य की बदौलत ही देश ने प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित किए है। इस दौरान संगोष्ठी की मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की प्रो. पंकज के. सिंह ने कहा कि साहित्य राष्ट्रीयता की भावना को विकसित करता है। आजादी से पहले देश में सती-प्रथा, बाल-विवाह जैसी कुरूतियां व्याप्त थी, लेकिन साहित्य के लगातार बढ़ते प्रभाव से इन कुरूतियों को कमतर किया गया है। इस मौके पर संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि विश्व भारती शांति निकेतन, कोलकाता के प्रो. गौतम घोषाल ने रविन्द्र नाथ टैगोर, महर्षि अरविंद, विलियम शेक्सपीयर, मुंशी प्रेमचंद जैसे शीर्षस्थ साहित्यकारों की रचनाओं से समाज में हुए क्रांतिकारी परिवर्तनों के बारे में बताया। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. नमिता चौहान ने तकनीकी सत्रों की जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय संगोष्ठी में देशभर से 400 से अधिक विषय-विशेषज्ञ, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया। संगोष्ठी का समापन अवसर पर पूर्व आईएएस और सुबोध शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष आर.सी. जैन ने स्वच्छ भारत अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि महज योजना बनाने से ही देश को स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता, इसके लिए जरूरी है कि सामाजिक रूप से लोग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर इसका बीड़ा उठाएं। कार्यक्रम के अंत में संगोष्ठी संयोजिका डॉ. नमिता चौहान ने सभी सत्रों में आए विशेषज्ञों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

शोध पत्रों का किया वाचन

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. भरत पारीक और डॉ. सुरेन्द्र प्रताप कोठारी ने हाल ही में दिल्ली यूनिवर्सिटी के संघटक अदिति महाविद्यालय में आयोजित कॉन्फ्रेंस में तकनीकी सत्रों की उपाध्यक्षता की। इस दौरान डॉ. भरत पारीक ने 'Women Empowerment and Government Initiatives' और डॉ. कोठारी ने 'Awareness On Gender Empowerment and Beti Bachao- Beti Padhao Through Intervention' नामक विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हमारी सभ्यता और संस्कृति की प्रतीक है हिन्दी

जयपुर। हिन्दी हमारी आत्मा, प्रेम, लगाव और जन-जन की भाषा हैं। हमारी संस्कृति और सभ्यता के साथ ही हमारी जीवनशैली की निशानी है। हिन्दी दिवस के मौके पर रामबाग सर्किल स्थित एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय 'वर्तमान परिदृश्य में सोश्यल मीडिया का समाज पर प्रभाव' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यूजीसी के संयुक्त सचिव, डॉ. जी.एस. चौहान ने हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि हिन्दी न सिर्फ इस्तेमाल की भाषा है बल्कि साहित्य व बाजार की प्रमुख भाषा है। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान विवि के जनसंचार केन्द्र के अध्यक्ष व पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद शर्मा ने कहा कि हिन्दी ने बाजारवाद के दृष्टिकोण के कारण विश्वमंच पर अपना स्थान बना रखा है, इसके लिए जरूरी है कि हम सभी इसकी महत्ता को जीवंत बनाए रखें। इस अवसर पर महाविद्यालय शिक्षा सेवा की डॉ. सुधा राठी ने भाषा के महत्व को बताते हुए हिन्दी की विकास यात्रा और उसके प्रजातांत्रिक स्वरूप पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय उप-प्राचार्या डॉ. अल्पना सक्सेना ने सभी आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया। अंत में महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में चयनित छात्रों को मिलेगा 3.25 लाख का पैकेज

जयपुर। हाल ही में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के ट्रैनिंग प्लेसमेंट सेल की ओर से कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के एमसीए विभाग में आयोजित इस ड्राइव में ऑरिगा आई.टी. कम्पनी ने लिखित परिक्षा के माध्यम से विभाग के 50 स्टूडेंट्स का टेस्ट लिया गया। कम्पनी ने सभी चयनित छात्रों को 3.25 लाख का वार्षिक पैकेज दिया। इसके साथ ही दूसरी कम्पनी एग्जीऑम कंसल्टिंग कम्पनी ने भी कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव कर स्टूडेंट्स का लिखित परिक्षण लिया। इस लिखित प्लेसमेंट ड्राइव में महाविद्यालय के एम.सी.ए., एम.कॉम और बी.ए.-इकॉनॉमिक्स के छात्रों ने हिस्सा लिया। जानकारी के मुताबिक ड्राइव में हिस्सा लेने वाले सभी स्टूडेंट्स को टैक्निकल कंसल्टेंट, इआरपी फाइनेंसियल कंसल्टेंट और इआरपी फंक्सनल कंसल्टेंट में जॉब रोल के तौर पर लिया जाएगा।

शिक्षक अपने दायित्व का पूर्ण निष्ठा से करें निर्वहन : प्रो. के.बी. शर्मा

जयपुर। हाल हीं में शिक्षक दिवस के मौके पर एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान सभी शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई प्रेषित की। इस मौके पर वाणिज्य प्रभारी डॉ. रीटा जैन और सभी विभागाध्यक्षों के साथ फैकल्टी ने मिलकर टीचर्स डे मनाया। इस मौके को खास बनाने के लिए प्राचार्या प्रो. के.बी. शर्मा, उप-प्राचार्या डॉ. अल्पना सक्सेना, एकेडमिक्स डीन डॉ. राजेश यादव, परीक्षा डीन डॉ. ओ.पी. वर्मा, स्टूडेंट डीन डॉ. प्यारेलाल एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुभाष अग्रवाल भी उपस्थित हुए। इस दौरान प्राचार्या प्रो. के. बी. शर्मा ने सभी शैक्षणिक सदस्यों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक उस दीपक के समान जो स्वयं जलकर बच्चों के जीवन को रोशन करता है। इस दौरान छात्रों ने डांस और प्ले के माध्यम से रंगारंग प्रस्तुतियां देकर मन मोह लिया।

फेयरवेल पार्टी में स्टूडेंट्स ने दी प्रस्तुतियां

जयपुर। हाल ही में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग की ओर से छात्रों का विदाई सामारोह का आयोजन किया गया। एम.एस.सी. फाइनल के छात्रों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में सीनियर्स के लिए जूनियर स्टूडेंट्स ने रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान विषय अध्यापकों ने सभी स्टूडेंट्स को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

स्लोगन राइटिंग से बनाया टीचर्स डे को यादगार

जयपुर। टीचर्स डे के मौके पर एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय और ईक्फाई यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में स्टूडेंट्स के लिए स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान स्टूडेंट्स ने अपने चहेते शिक्षकों के लिए कई सारे स्लोगन लिखे। महाविद्यालय के संकाय सदस्य डॉ. विशाल गौत्तम और डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि बेस्ट स्लोगन लिखने वाले चार स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

मानवीय मूल्यों को करें आत्मसात- डॉ. अंशुल शर्मा

जयपुर। वैदिक काल में भारतीय संस्कृति मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता से पुष्पित व पल्लवित थी। हमारी सांस्कृतिक सम्पदा वैदिक काल में समृद्ध और अनुसरणीय थी। भारतीय संस्कृति से आकर्षित होकर विदेशी लोगों ने भी हमारी संस्कृति को स्वीकार किया। ये कहा, सुबोध महाविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. अंशुल शर्मा ने। हाल ही में डॉ. शर्मा ने स्टेनी मेमोरियल पीजी कॉलेज में 'भारतीय संस्कृति वैदिक काल और वर्तमान' विषय पर व्याख्यान दिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. बीएल शर्मा ने श्रोताओं को डॉ. अंशुल शर्मा के बताए मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर भारतीय संस्कृति को उन्नत और विकसित करने की दिशा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

जैव विविधता के बारे में मिली नॉलेज

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग की ओर से हाल ही में एक दिवसीय फील्ड कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के बीएससी और एमएससी के स्टूडेंट्स ने स्मृति वन विजिट कर जैव विविधता व वनस्पति शास्त्र के बारे में काफी जानकारी हासिल की। कार्यशाला में राजस्थान वानिकी और वन्यजीव प्रशिक्षण के निदेशक डॉ. आर.सी.जैन ने स्टूडेंट्स को कई महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत करवाया। इस एकदिवसीय कार्यशाला का विषय "Assessment of Biodiversity and Field Botanization" रखा गया।

हिरोशिमा यूनिवर्सिटी विजिट कर सीखी शोधकार्य की बारिकियां

जयपुर। महाविद्यालय के भौतिकी विज्ञान की संकाय सदस्य शशि शर्मा ने हाल ही में जापान की हिरोशिमा यूनिवर्सिटी का दौरा किया। शर्मा को उनके शोध कार्य के लिए यूनिवर्सिटी ने स्कॉलरशिप प्रदान की थी। शशि ने बताया कि विजिट के दौरान यूनिवर्सिटी के नेशनल साइंस सेंटर फॉर बेसिक रिर्सच एंड डेवलपमेंट में उन्होंने भौतिकी शास्त्र से जुड़े कई अनुसंधानात्मक विषयों पर विशेषज्ञों से चर्चा की।

डॉ. भरत पारीक को मिला राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय पुरस्कार

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी और सहायक प्रोफेसर डॉ. भरत पारीक को शिक्षा विभाग, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान सरकार की ओर से गत 14 जून को राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय पुरस्कार 2017-18 दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने उन्हें यह पुरस्कार राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाईड परिसर में आयोजित पुरस्कार वितरण सामारोह के तहत दिया। गौरतलब है कि डॉ. भरत पारीक को यह अवार्ड गणतंत्र दिवस की परेड़ शिविर-2014 सहित कुल 7 राष्ट्रीय शिविरों और सरकार द्वारा चलाई गई कई योजनाओ में जनहित के लिए किए गये कार्यो के लिए दिया गया है।

Faculty Corner

डॉ. राजेश यादव को मिला राज्य स्तरीय सम्मान

जयपुर। राजीव गांधी सद्भावना एवं ग्रामोत्थान संस्थान के तत्वावधान में शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आठवां राज्य स्तरीय महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षक सम्मान सामारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 11 श्रेष्ठ शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और शैक्षणिक डीन डॉ. राजेश यादव को पुरस्कृत किया गया। गौरतलब है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को यह सम्मान दिया गया।

डॉ. पदमा पंडेल को मिला प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवार्ड

जयपुर। बिड़ला ऑडिटोरियम में थार सर्वोदय संस्थान और रघु सिन्हा माला साथुर चैरिटी ट्रस्ट की ओर से हाल ही में शिक्षकों का सम्मान सामारोह आयोजित किया गया। प्रिंसिपल्स एंड टीचर्स अवार्ड-2019 कार्यक्रम में लाइफ मैनेजमेंट गुरू पंडित विजयशंकर मेहता, जयपुर शहर कलेक्टर जगरूप सिंह यादव और राजस्थान उच्च शिक्षा सचिव वैभव गेलारिया ने एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पदमा पंडेल को मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बेस्ट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के स्वर्ण जयंती सामारोह में राज्य स्तरीय पुरस्कार से डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मीणा हुए सम्मानित

जयपुर। राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी के 50 वर्ष पूर्ण होने पर हाल ही में हिन्दी दिवस की संध्या पर बिड़ला सभागार में स्वर्ण जयंती सामारोह मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की कई विभूतियों को प्रशस्ति-पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के लगभग 100 से अधिक लेखकों, साहित्यकारों और हिन्दी विषयों के विशेषज्ञों को सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के लोक-प्रशासन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मीणा को उत्कृष्ट लेखन कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा गया।

उप-प्राचार्या डॉ. अल्पना सक्सेना की पुस्तक का प्रकाशन

जयपुर। 'राहुल सांकृत्यायन के कथा साहित्य का सामाजिक-सांस्कृतिक दर्शन' विषय नामक पुस्तक का हाल ही में प्रकाशन हुआ। पुस्तक की लेखिका व एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज की उप-प्राचार्या डॉ. अल्पना सक्सेना ने बताया कि पुस्तक में राहुल सांकृत्यायन के प्रयोगशील व्यक्तित्व और उनके प्रखर चिन्तन को सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में उद्घाटित किया गया है। पुस्तक में सांकृत्यायन के कथा साहित्य के सामाजिक-सांस्कृतिक दर्शन के बारे में बताया गया है।

डॉ. देवेन्द्र शर्मा की पुस्तक का प्रकाशन

जयपुर। उद्यमिता विकास वर्तमान परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसी संदर्भ में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के लेखन वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग के संकाय सदस्य डॉ. देवेन्द्र कुमार शर्मा ने एक पुस्तक लिखी है। पुस्तक का हाल ही में प्रकाशन किया गया है। शर्मा ने बताया कि पुस्तक में भारत के उद्यमिता विकास और उसके आवश्यक कार्यों का उल्लेख किया गया है, साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था में इसके योगदान के बारे में जानकारी दी गई है। यह पुस्तक स्टूडेंट्स, रिसर्चर्स, प्रबंधक, व्यवसायियों और उद्यमियों के लिए बेहद उपयोगी है।

'मैनेजमेंट ऑफ सोशल सिस्टम' पुस्तक का प्रकाशन

जयपुर। भारत के आर्थिक विकास में वित्तीय प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसका प्रबंधन एक विस्तृत विषय है। जो प्रमुख रूप से समय, मूल्य और जोखिम अवधारणाओं एवं उनके बीच संबंधों के अध्ययन से सम्बंधित है। ये कहना है, वाणिज्य विभाग की संकाय सदस्य डॉ. ऋचा सिंघल का। हाल ही में उनकी पुस्तक 'मैनेजमेंट ऑफ सोशल सिस्टम' का प्रकाशन हुआ है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए लाभप्रद है।

शोध पत्रों का स्कॉपस में प्रकाशन

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप गुप्ता के हाल ही में दो शोध पत्रों का प्रकाशन स्कॉपस जर्नल में हुआ है। जानकारी के मुताबिक डॉ. गुप्ता के ''MHD three dimensional flow of Oldroyd-B nano fluid over a bidirectional stretching sheet: DTM-Padé Solution'' और ''Impact of generalized Fourier's law and Fick's law for MHD flow of Ag?H2O and TiO2?H2O nanomaterials'' शीर्षक से दो शोध पत्रों का प्रकाशन हुआ है।

सुबोध कॉलेज फैकल्टी को मिला यूथ वर्ल्ड इंडियन आईकॉन अवार्ड

जयपुर। हाल ही में राजस्थान चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स जयपुर के सभागार में यूथ वर्ल्ड इंडियन आईकॉन अवार्ड-2019 सम्मान सामारोह आयोजित किया गया। सामारोह में महाविद्यालय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की डॉ. गौरी ढिंगरा और डॉ. नंदिनी शर्मा को सम्मानित किया गया। जानकारी के मुताबिक सामारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देशभर के 100 से अधिक विशिष्ट विभूतियों को यह सम्मान दिया गया।

खुशी बनी मिस फ्रैशर

जयपुर। हाल ही में नए शैक्षणिक सत्र में आने वाले सभी स्टूडेंट्स का महाविद्यालय परिवार ने तिलक लगाकर स्वागत किया। इस दौरान विज्ञान विभाग की ओर से नवागन्तुक छात्रों के लिए फैशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। लगभग 500 से अधिक स्टूडेंट्स ने फैशर्स पार्टी में पार्टिसिपेट किया। बी. एससी प्रीवियस के छात्रों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान डांस, म्यूजिक, एक्टिंग और कैटवॉक के जरिये स्टूडेंट्स ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने खुशी को मिस फ्रैशर और यश को मिस्टर फ्रैशर के अवार्ड से पुरस्कृत किया।

Sports news

इंटर कॉलेज बैडमिंटन चैम्पियनशिप में सुबोध कॉलेज ने मारी बाजी

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड की ओर से इंटर कॉलेज बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आयोजन हाल ही में 11-12 सितम्बर को हुआ। इस दौरान रामबाग सर्किल स्थित एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय के पी.जी. महाविद्यालय ने प्रथम और सुबोध कॉमर्स एंड आर्ट्स कॉलेज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। गौरतलब है कि 12 सितम्बर को आरयू के स्पोर्ट्स बोर्ड में हुई प्रतियोगिता में दूसरे कॉलेजों की टीमों को हराते हुए महाविद्यालय की दोनों टीमों ने फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के प्रवीण कुमावत ने कॉमर्स एंड आर्ट्स कॉलेज के हार्दिक को 21-17 एवं 21-19 से हराया। साथ ही पी.जी. के ही अजय मीणा ने हर्ष चपलोत को 21-18 एवं 21-19 से हराया। शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक राजनारायण शर्मा ने बताया कि पहली बार महाविद्यालय की दोनों ही टीमों ने अन्य कॉलेजों की सभी टीमों को हराते हुए एक साथ फाइनल पर कब्जा किया है।

इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री और बास्केटबॉल चैम्पियनशिप में छाया सुबोध कॉलेज

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय खेल बोर्ड की ओर से इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री और बास्केटबॉल प्रतियोगिता में एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज के छात्रों ने अपना दमखम दिखाया। हाल ही में समप्न हुई इन दोनों ही प्रतियोगिताओं में सुबोध महाविद्यालय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। जानकारी के मुताबिक 8 सितम्बर को कालाडेरा स्थित गर्वमेंट कॉलेज में क्रॉस कंट्री का आयोजन किया गया। वहीं बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 14-16 सितम्बर को राजस्थान महाविद्यालय में आयोजित किया गया। सेमीफाइनल मुकाबले में महाविद्यालय के छात्रों ने राजस्थान कॉलेज को हराया था। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

लोकसभा चुनावों में पोलिंग बूथों पर रोवर्स ने किया सोशयल वर्क

जयपुर। हाल ही में लोकसभा चुनावों में एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय के रोवर्स ने मिलकर सामाजिक सरोकारों से जुड़कर कार्य किया। जानकारी के मुताबिक रोवर्स के दल ने लोकसभा चुनावों अलग-अलग पोलिंग बूथों पर जाकर दिव्यांगों और वृद्धजनों को मतदान केंद्र तक पहुंचाया। महाविद्यालय के डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि लोकसभा चुनावों के लिए पूर्व में ही रोवर्स को यह कार्य सौंप दिया गया था। जानकारी के मुताबिक भारत स्काउट एंड गाइड मुख्यालय की ओर से यह कार्य सौंपा गया था।

पीएचडी अवार्ड

नेहा सक्सेना

जयपुर। एस. एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के डीन शैक्षणिक डॉ. राजेश यादव के सफल निर्देशन में ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी की शोधार्थी नेहा सक्सेना को पीएचडी की उपाधि मिली है।

नेहा ने "Reclamation of Land Degraded by Marble Slurry in Rajasthan With Special Reference To Jaipur and Nagpur District" नामक विषय पर अपना शोध कार्य पूरा किया है।

सुधांशु द्विवेदी

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यालय के संकाय सदस्य सुधांशु द्विवेदी को हाल ही में पीएचडी अवार्ड हुई है। द्विवेदी को एलएनएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने यह उपाधि प्रदान की है, उन्होंने अपना शोध कार्य "Development of Crow based Nanocomposites and Spin Field Effect Transistors" नामक विषय पर पूरा किया है।

रवि गुप्ता

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महाविद्यायल के व्यावसायिक प्रशासन विभाग के संकाय सदस्य रवि गुप्ता को पीएचडी अवार्ड हुई है। गुप्ता ने अपना शोध कार्य राजस्थान विवि. की डॉ. गरिमा सक्सेना के सफल नेतृत्व में पूरा किया है। उन्होंने अपना शोध कार्य A Study of consumer behaviour in two wheeler industry: A comparative study of Hero Motocorp and TVS motorcycle नामक विषय पर पूरा किया है।

चीफ एडवाइजर-
प्रो. के.बी. शर्मा
चीफ एडिटर-
डॉ. पदमा पण्डेल
एडिटर-
सुनील कुमार शर्मा

स्टूडेंट्स एडिटोरियल बोर्ड
संजय सैनी, बालकिशन यादव, अखिल जांगिड़, तनु शर्मा, अंजू जगरवाल, रमेश चौधरी, श्याम भाटीवाल, किरण मीणा, रजत परनामी,गौरव गुप्ता, विनोद शर्मा।